B.M.A COLLEGE , BAHERI,DARBHANGA
(A CONSTITUENT UNIT OF LNMU)
BA DEGREE-2
HISTORY (SUB./GEN.)
UNIT-3(A)
DEPARTMENT OF HISTORY
PANKAJ KUMAR MISHRA
DATE-07/10/2020

TOPIC- प्लासी के युद्ध का महत्व एवं परिणाम

{IMPORTANCE AND RESULT OF THE BATTLE OF PLASSEY}

PART-2

Scanned with CamScanner

प्लासी के युद्ध का महत्व एवं परिणाम, भाग-2

आर्थिक महत्व

- प्लासी युद्ध के पश्चात् बंगाल की वह लूट आरंभ हुई जिसने भारत के सबसे धनी प्रदेश को निर्धन बना दिया। इस लूट में सिर्फ अंग्रेज ही शामिल हुए।
- मीरजाफर ने 3 करोड़ रुपए कंपनी के अधिकारियों को दिए एवं अगले आठ वर्षों में कंपनी ने 15 करोड़ से अधिक का लाभ कमाया। कंपनी को बंगाल, बिहार, उड़ीसा में मुफ्त व्यापार का निर्विरोध अधिकार प्राप्त हुआ एवं कलकत्ता के समीप 24 परगना की जमींदारी भी प्राप्त हुई।
- बंगाल के संसाधनों का प्रयोग करके अंग्रेजों ने अपने प्रतिद्वन्द्वियों की शक्ति को नष्ट किया।
- आर्थिक दृष्टि से प्लासी युद्ध के पश्चात् एक नवीनयुग का आरंभ हुआ जिसमें राज्य विस्तार व्यापार के साथ जुड़ गया एवं भारत की दासता का वह युग आरंभ हुआ जिसमें भारत का आर्थिक व नैतिक शोषण अत्यधिक हुआ। 1757 ई० से पहले बंगाल का 40% व्यापार ब्रिटेन से आयातित सोने चाँदी से होता था, प्लासी के पश्चात् सोने-चाँदी का निर्यात अब चीन को होने लगा फलतः बंगाल को आर्थिक क्षति हुई।

नैतिक महत्व

- षड्यंत्र द्वारा प्राप्त सफलता से उत्साहित अंग्रेजों ने अपने कुचक्रों में वृद्धि की।
- भारतीयों की विश्वासघाती प्रवृत्ति का लाभ उठाकर अंग्रेजों ने अपने प्रभाव का विस्तार किया।
- अंग्रेजों ने "फूट डालो-राज करो" नीति की सफलता को देखकर भविष्य में इसे अपनाया।

निष्कर्ष

- प्लासी की विजय ने बंगाल में अंग्रेजों का प्राधान्य स्थापित कर दिया किन्तु प्लासी में इस बात का निर्णय नहीं हुआ कि बंगाल में वास्तविक शासक कौन है? नवाब और अंग्रेजों में इसको लेकर एक संघर्ष होना स्वाभाविक था। अतः बक्सर के युद्ध के बीज प्लासी में बोए गए।
- चूँकि इसमें विजय विश्वासघात के माध्यम से प्राप्त की गई थी अतः सैनिक दृष्टिकोण से इसका महत्व कम रहा।

Scanned with CamScanner

• अब बंगाल से धन की निकासी शुरू हुई। 1757 से पूर्व अंग्रेज कंपनी भारत से सामान खरीदने के बदले सोना व चाँदी का आयात करती थी। 1757 ई० के पश्चात् वह बंगाल के उपलब्ध धन से सामान ले जाने लगी। इस प्रकार बंगाल की लूट आरंभ हुई।

07/10/2020